Otto Böhtlingk & Rudolph Roth: Sanskrit-Wörterbuch, Part 7, Petersburg 1875

— उप *begiessen, aufgiessen* ṚV. 4,57,5. ज्ञलाषेणा AV. 6,57,2. यः क्षीरमुपसिच्योपहरति 9,6,40. Çat. Br. 14,9,3,22. मूलेषु Kâtj. Çr. 2,7,20. 6,3,13. 19,3,18. उदकेन 25,2,9. महाप्रूद्र उपसिञ्चति पादौ Kauç. 17. 49. 62. 64. व्यञ्जनैरुपसिक्ते P. 4,4,26. — Vgl. उपसेक्तर् fg.

— नि, °षिञ्चति, न्यषिञ्चत्, निषिषेच Vop. 8,45. 13,1. 1) *nieder —, eingiessen, aufgiessen:* अपः ṚV. 5,83,6. 8. तीव्रं सुतं पञ्चदशं नि षिञ्चम् 10,27,2. Çat. Br. 1,7,4,4. 14,9,3,15. Kâtj. Çr. 4,1,19. 5,4,12. उदपात्रम् 6,10,4. कुशेषु Çâṅkh. Çr. 4,4,7. नस्तो दक्षिणतः *in das rechte Nasenloch* Gṛhj. 1,19. fg. मातरि रेतः Kaush. Up. 1,2. उरसि क्षारम् R. Gorr. 2,63,3. अमृतं त्वचि Ragh. 3,26. आस्ये वह्निना द्रवमाणां कालायसम् Bhâg. P. 5,26,29. कस्माद्वीरज्ञसा धस्तमपां कुम्भे निषिञ्चसि MBh. 13,4816. यस्य त्वया — तैलं न्यषिञ्चत मुखे कुशसूचिविद्धे Çâk. 89. निषिक्त ṚV. 1,71,8. पुष्करे मधु 8,61,11. Suçr. 1,264,16. Mṛkkh. 76,14. रेतस् Kumâras. 2,57. — 2) *begiessen:* पलाशान् Spr. (II) 1591. Vikr. 23. स्तनद्वयं बाष्पबिन्दुभिः Bhâg. P. 6,14,52. निषिक्त Ṛt. 2,12. — निषिक्त Varâh. Bṛh. S. 2,5 nach Kern fehlerhaft für निषक्त. — Vgl. निषिक्तपा, निषेक fgg. — caus. *begiessen:* पलाशान् R. 2,63,9. *einweichen, netzen* Suçr. 2,355,21. — intens. निसेसिच्यते P. 8,3,112, Schol.

— संनि *eingiessen:* यः श्रोत्रयोरमृतं संनिषिञ्चेत् (so ed. Bomb.) MBh. 1,3246.

— निस्, निष्षिञ्चति P. 8,3,65, Vârtt. 1. *ab —, weggiessen:* निष्षिच्यैतद्दुष्टमदुष्टमभिपर्यासिच्य Ait. Br. 7,5. निःषिक्तमस्मात्पापकम् Nir. 6,1.

— परा *weggiessen, wegschütten;* überh. *wegwerfen, beseitigen:* मा नो गर्यमारे अस्मत्परा सिच ṚV. 9,81,3. परा तत्सिच्यते राष्ट्रम् AV. 5,19,6. TS. 2,5,5,1. विषूचीनं रेतः परासिञ्चति 5,2,6,3. पूर्णपात्रम् Çat. Br. 1,5,2,15. 12,4,2,9. 9,2,6. मार्हं प्रजां परासिचम् Âçv. Çr. 1,11,8. 6,12,11. मा परासेचि मत्पयः Kâtj. Çr. 25,5,28. Lâṭj. 2,1,7. अपरासिक्त (रेतस्) Çat. Br. 7,3,1,11. परासिक्तं विपुलं स्वं बलीघम् *bei Seite geschoben, unschädlich gemacht* MBh. 5,1830. 858.

— परि, °षिञ्चति, पर्यषिञ्चत् VS. Prât. 3,45.62. P. 8,3,63.65. 1) *umgiessen* (in ein anderes Gefäss), *einschenken:* अयं वां परि षिच्यते सोमः ṚV. 4,49,2. घर्मः 8,9,4. 9,11,8. 17,4. 78,2. 107,1. AV. 10,8,29. VS. 20,28. परिषिक्त ṚV. 1,108,4. 2,18,6. 4,1,19. मधूनि 1,177,3. 4,35,9. 6,68,1. — 2) *umhergiessen, übergiessen:* अव्यो वारेषु ṚV. 9,63,10. TS. 5,4,4,1. 2. TBr. 2,1,11,1. Çat. Br. 2,6,1,41. पयसा 12,8,2,8. 14,3,1,25. वेदिम् Kâtj. Çr. 5,9,14. 26,4,5. Çâṅkh. Çr. 1,15,11. Lâṭj. 1,6,7.8. पिण्डान् Gobh. 4,3,26. Âçv. Gṛhj. 1,22,21. गुल्फान् Kauç. 39. 86. 88. MBh. 1,4247. Hariv. 11758. वृष्टा यथाग्निः परिषिच्यमानः R. Gorr. 2,64,20. 83,38. Suçr. 1,101,13. Spr. (II) 2229. Bhâg. P. 10,75,16. ओदनम् P. 8,1,5, Schol. °सिञ्चिवा (!) Saddh. P. 4,16,*a*. परिषिक्त Lâṭj. 5,2,9. — Vgl. परिषेक fgg. — caus. *benetzen, besprengen; einweichen* Suçr. 1,42,18. 47,18. 2,342,10. शीताभिरद्भिरष्टीलामिमां च परिषिञ्चय (warum nicht °षेचय?) MBh. 1,4500. — desid. परिषिषिक्षति P. 8,3,64, Schol.

— प्र 1) *ausgiessen, vergiessen:* Samen Çat. Br. 2,1,2,5. 2,4,15. Âçv. Çr. 2,16,19. Lâṭj. 4,12,17. स्कम्भस्तदग्रे प्रासिञ्चद्धिरण्यं लोके अन्तरा AV. 10,7,28. अज्ञायां घर्मम् TS. 5,4,2,3. Gobh. 1,3,2.13. Kauç. 40. 122. सकृत्प्रसिञ्चत्युदकम् Jâǵń. 3,5. उदपानाश्च कुम्भाश्च प्रासिञ्चञ्छतशो ज्ञलम् MBh. 5,2999. यत्तोयं तस्मिन्नेव (तोये) प्रसिच्यते 12,10742. कथं नु (wohl न zu lesen) भिद्येत न च स्रवेत न च प्रसिच्येदिति रक्षितव्यम् *ausfliessen* 3,14767. दोषः प्रसिच्यते *ergiesst sich* Suçr. 2,8,6. प्रसिक्त *ausgegossen* Çâk. 152. संजीवनौषधिरसो नु हृदि प्रसिक्तः Uttarar. 44,4 (58,4). — 2) *begiessen:* वह्निं वारिभिः Hariv. 12227. आज्यप्रसिक्तो हि यथा हुताशः MBh. 8,4231. उदकमानीय त्रिः प्रसिच्योदपात्रम् *füllend* Kaush. Up. 2,7. इत्येभिर्हेतुभिस्तस्य त्रिभिश्चित्तं प्रसिच्यते *wird begossen* so v. a. *erquickt* MBh. 12,839. — Vgl. प्रसेक. — caus. *eingiessen:* पितृपात्रेषु प्रेतपात्रं प्रसेचयेत् Jâǵń. 1,252. पात्रत्रये प्रेतपात्रमर्घ्यं च प्रसेचयेत् Mârk. P. 30,16.

— संप्र pass. *sich ergiessen:* स कृष्णेनाभिपतता क्षोभितो यमुनाह्रदः। संप्राषिच्यत (zu lesen °सिच्यत; संप्राशिर्यत die neuere Ausg., womit °शीर्यत gemeint ist) वेगेन भिद्यमान इवाम्बुदः॥ Hariv. 3654. मांसादेव क्षतात्क्षिप्रं शोणितं संप्रसिच्यते Suçr. 1,327,5.

— प्रति 1) °षिञ्चति *zugiessen, beimischen* TBr. 2,1,3,2. Âçv. Çr. 2,3,5. Kauç. 68. — 2) °सिञ्चति *eine Begiessung —, eine Bespritzung erwiedern* Bhâg. P. 10,90,9. — वृक्षं वृक्षं प्रति सिञ्चति *er begiesst einen Baum nach dem andern* P. 1,4,90, Schol. gehört zum simpl. — Vgl. प्रतिषिच्य, प्रतिषेक.

— वि *vergiessen* TBr. Comm. 3,557,6 v. u. विषिक्त *vergossen:* Samen Çat. Br. 11,5,4,16. — व्यषिच्यत MBh. 13,1952 fehlerhaft für अभ्यषिच्यत, wie die ed. Bomb. liest. — intens. विसेसिच्यते Vop. 8,45. 20,4.

— अनुवि *nachgiessen nach* (acc.) AV. 8,10,33.

— सम् 1) *zusammengiessen, begiessen* ṚV. 10,17,13. AV. 2,26,4. सं मा सिञ्चतु प्रजया 7,33,1. Suçr. 2,344,1. संसिक्त *begossen, besprengt* MBh. 1,6785. 6,1772. 9,914. 11,514. 12,6330. R. 1,5,8. 2,80,14. R. Gorr. 2,87,17. Kâm. Nîtis. 16,26. Spr. (II) 5788. Kathâs. 7,7. 33,85. 44,74. 107,43. Râǵa-Tar. 4,329. Bhâg. P. 10,5,6. 41,22. Pańkar. 3,8,11. — 2) *giessen* so v. a. *bilden:* सर्वं संसिच्य मर्त्यम् AV. 11,8,13. — Vgl. संसिच्, संसेक.

2. सिच् f. 1) *Saum, Zipfel eines Gewandes* Halâj. 2,396. पितुर्न पुत्रः सिचमा रभेत ṚV. 3,53,2. माता पुत्रं यथा सिचाभ्येनं भूम ऊर्णुहि 10,18,11. AV. 14,2,51. सिचि बध्नीते Çat. Br. 3,2,1,18. सिच्यवगूहपति Kauç. 32. उत्तर° 58. 88. Pâr. Gṛhj. 3,15. = वस्त्र H. 666. — 2) du. *die beiden Ränder* so v. a. *Horizont:* उभे सिची यतते भीम ऋञ्जन् ṚV. 1,95,7. — 3) *die äussersten Reihen —, Flügel einer Heeresaufstellung:* राजेव युध्वा नयसि त्वमित्सिचौ ṚV. 10,75,4. अमित्राणामुभे सिचः AV. 11,9,18. 10,20.

3. सिच् ungenaue Schreibart für शिच् *Netz* Bhâg. P. 6,12,8 (सिच् ed. Bomb.).

सिचय m. *Gewand, Tuch* Trik. 2,6,33. H. 666. Halâj. 2,393. Vikr. 7. Râǵa-Tar. 1,1. Wilson, Sâṅkhjak. S. 174. चीन° (vgl. चीनांशुक) Pańkar. 3,5,28.

सिजि gaṇa यवादि zu P. 8,2,9. davon °मत् adj. ebend.

सिञ्चता f. *langer Pfeffer* Çabdak. bei Wilson, सिञ्चिता ÇKDr. nach derselben Autorität.

सिञ्जाश्वत्थ n. copulative Zusammensetzung gaṇa राजदन्तादि zu P. 2,2,31. सिञ्जास्थ v. l. सिञ्जा vielleicht = सिञ्चता.

Institute of Indology & Tamil Studies, Cologne University, Germany 9.2.2007